जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

साप्ताहिक

हमारा वतन

देश का अपना अखबार

ہمارا وطن ہفت روزہ

संस्थापित 1965

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

www.hamarawatan.com FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

वर्ष- 58 | अंक-30 | जयपुर, सोमवार, 25 जुलाई, 2022 | वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) | पृष्ठ संख्या 4

सीएम गहलोत का बड़ा ऐलान : राजस्थान में यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में फिर होंगे छात्रसंघ चुनाव

जयपुर (हमारा वतन) राजस्थान के लाखों स्टूडेंट्स का इंतजार खत्म हो गया है। प्रदेश में 2 साल बाद एक बार फिर छात्रसंघ चुनाव होने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। जिसके बाद एनएसयूआई ,एबीवीपी समेत सभी छात्र संगठन ने खुशी जाहिर की है। जानकारी के लिए आपको बता दें कि राजस्थान में छात्रसंघ चुनाव राजनीती की पहली सीढी माना जाता रहा है। यहां तक मौजूदा सरकार में भी कई मंत्री और विधायक इसी यूनिवर्सिटी से छात्रसंघ अध्यक्ष का चुनाव जीतकर सक्रीय राजनीती में पहुचे है। लेकिन पिछले 2 सालों से कोरोना के चलते छात्रसंघ चुनाव पर रोक लगने से छात्रनेता चुनाव नहीं लड़ पाए थे।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि आज के विद्यार्थी ही देश का भविष्य हैं। विद्यार्थी संगठनों की मांग को देखते हुए एवं विद्यार्थियों में लोकतान्त्रिक प्रक्रिया की समझ बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव करवाने हेतु विभाग को निर्देश दिए गए हैं। सभी विद्यार्थी संगठन संबंधित कॉलेज एवं यूनिवर्सिटी की गाइडलाइंस की पालना करते हुए उत्साह से चुनावों में भाग लें। मेरी शुभकामनाएं आप सभी के साथ हैं।

पिछले दिनों एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक चौधरी ने मुख्यमंत्री गहलोत से मिल छात्र संघ चुनाव कराने की मांग की थी। सीएम गहलोत ने युवाओं की मांग को पूरा करते हुए प्रदेश में एक बार फिर चुनाव कराने का फैसला किया है। जो स्वागत योग्य कदम है। ऐसे में हमें उम्मीद है कि इस बार प्रदेशभर में शांतिप्रिय चुनाव होंगे। जिसमें छात्रों के मुद्दों को उठाने वाले छात्र नेताओं को आगे आने का मौका मिलेगा।

जयपुर, जोधपुर समेत प्रदेशभर के विश्वविद्यालयों में लाखों छात्र चुनावों से जुड़ते हैं। अकेले राजस्थान राजस्थान यूनिवर्सिटी में ही 28 हजार छात्र वोटर हैं।

आरएन नोवाल फाउंडेशन ने किया वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ

जयपुर (हमारा वतन) आर एन नोवाल फाउंडेशन जयपुर द्वारा पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन के लिए ओम बिहार जयपुर रोड ,चौमूं में वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पूर्व जिला न्यायाधीश एल डी किराडू ने पारिजात का पौधा लगाकर की । इस अवसर पर आरोग्य योग एवं प्राकृतिक चिकित्सालय चौमूं के चिकित्सा प्रभारी डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने कहा कि पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तब ही हमारा जीवन सुरक्षित रहेगा, अन्यथा पेड़ों के बिना व्यक्ति श्वास लेने के लिए भी तरस जाएगा । आर एन नोवाल फाउंडेशन के अध्यक्ष रामनिवास नोवाल ने बताया कि फाउंडेशन द्वारा विभिन्न स्थानों पर औषधीय पौधे व छायादार पेड़ लगाए जाएंगे। इनकी सुरक्षा के लिए कई स्थानों पर ट्री गार्ड भी फाउंडेशन द्वारा लगाए जाएंगे। फाउंडेशन द्वारा शीघ्र ही निशुल्क पौधा वितरण कार्यक्रम भी किया जाएगा। इस अवसर पर एडवोकेट पवन कुमार शर्मा, अभिषेक गुर्जर सहित कई व्यक्ति उपस्थित रहे।

यूईएम यूनिवर्सिटी में हुआ शिक्षक सम्मान समारोह - 2022 का आयोजन

जयपुर (हमारा वतन) यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट जयपुर के उदयपुरिया मोड़ स्थित कैंपस में शिक्षक सम्मान समारोह-2022 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व निदेशक बीएसएफ महेंद्र कुमावत- रिटायर्ड आईपीएस, रमेश अग्रवाल- रोटरी क्लब जिला गवर्नर, यूनिवर्सिटी वाईस चांसलर प्रो बिस्वेजॉय चटर्जी, रजिस्ट्रार प्रदीप कुमार शर्मा, डीन अनिरुद्ध मुखर्जी आदि ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की। यूनिवर्सिटी वाईस चांसलर प्रो डॉ. बिस्वेजॉय चटर्जी ने बताया की कार्यक्रम में विभिन्न स्कूल से लगभग 125 प्राचार्य/निदेशक व 250 शिक्षकों ने शिरकत की। यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षा जगत के उत्कृष्ट शिक्षक मुखिया व उत्कृष्ट शिक्षक को शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर मंच के माध्यम से सम्मानित करना है और साथ ही साथ उन्हें मोटीवेट करना है जिससे की आगे भी बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने में अपनी महतवपूर्ण भूमिका अदा करते रहें। रजिस्ट्रार प्रो डॉ प्रदीप कुमार शर्मा ने बताया की शिक्षकों के अमूल्य योगदान के लिए हमारा समाज सदैव ऋणी रहेगा। हम अभी क्या है और समाज की बेहतरी केलिए हम क्या करेंगे, यह इस बात पर निर्भर करता है की शिक्षक हमे किस प्रकार से पढ़ा रहे है।

राष्ट्र रत्न सम्मान समारोह 5 अगस्त को

जयपुर (हमारा वतन) देश उत्थान के कार्यों में सराहनीय योगदान देने वाले लोगों और संस्थाओं को राष्ट्र रत्न पुरस्कार दिया जायेगा।

ट्रस्ट की फाउंडर चंद्रकला गोठवाल ने बताया कि सम्मान समारोह चंद्रकला चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 5 अगस्त को जयपुर के जवाहर कला केंद्र में आयोजित किया जायेगा । जिसमें देश भर के विभिन्न राज्यों के लोग शिरकत करेंगे । इस अवसर पर अनेक प्रदेशों की विभिन्न विभूतियों को समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण,कृषि क्षेत्र, पर्यावरण, पत्रकारिता आदि क्षेत्रों में सराहनीय व उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया जाएगा।

भरतपुर के सीकरी और पहाड़ी में धार्मिक महत्व की पहाड़ियों पर होगा सघन वृक्षारोपण

जयपुर(नि.सं.)। राज्य सरकार ने ब्रज क्षेत्र में स्थित सीकरी तहसील (पूर्व में नगर तहसील) एवं तहसील पहाड़ी की धार्मिक महत्व की पहाड़ियों को सघन वृक्षारोपण के लिए वन विभाग को हस्तांतरित करने की स्वीकृति देने के साथ ही इन क्षेत्रों में खनन गतिविधियों को प्रतिबंधित करने के निर्देश जारी किए हैं।

भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ने मनाया पलक सैनी का जन्मदिन

जयपुर (हमारा वतन) अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ने अपने शिष्य सुरेश सैनी की पुत्री पलक सैनी जीएनएम स्टूडेंट एसएमएस हॉस्पिटल के जन्मदिन के शुभ अवसर पर घर जाकर शुभकामनाएं दी । पंडित रविन्द्राचार्य ने पलक सैनी को सम्मान स्वरूप बाबा श्याम का दुपट्टा पहनाकर, श्याम कलम देकर, पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया और उज्जवल भविष्य की कामना की.इस दौरान पंडित हरिओम शास्त्री, फुलाराम सैनी, सुरेश कुमार सैनी, शारदा देवी, ममता सैनी ,संजना सैनी, शंकर लाल सैनी ,प्रियंका देवी, कैलाश चंद सैनी ,वीरा सैनी, रावि सैनी, कुलदीप कुमार सैनी, हितेन सैनी आदि लोग मौजूद रहे ।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 13 से 15 अगस्त तक हर घर फहराये तिरंगा

जयपुर (हमारा वतन) कला एवं संस्कृति विभाग मंत्री डॉ बी. डी. कल्ला ने आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत समस्त प्रदेशवासियों से स्वाधीनता दिवस के उपलक्ष्य में 13, 14 एवं 15 अगस्त को अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की है। डॉ. कल्ला ने आमजन से हर घर तिरंगा फहराने की अपील करते हुए कहा कि स्वाधीनता सेनानियों के त्याग, बलिदान और कड़े संघर्ष से हमे आजादी मिली है और तिरंगे के रूप में राष्ट्रीय ध्वज का गौरव प्राप्त हुआ है। देशभक्ति के साथ तिरंगे के प्रति सम्मान हमारा कर्तव्य है। कला एवं संस्कृति विभाग की सचिव गायत्री राठौड़ ने समस्त सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों से भी अनिवार्य रूप से अपने घरों पर 13 ,14 व 15 अगस्त को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराने की अपील की है।

लोनिया हॉस्पिटल एंड फर्टिलिटी सेंटर

कचौलिया रोड, मगध नगर, बचपन स्कूल के पास चौमूं, जयपुर

क्या आप अभी तक मातृत्व सुख से वंचित हैं ? तो हमसे मिलें !

सुरक्षित नॉर्मल, सिजेरियन डिलीवरी

निदेशक
डॉ.धर्मराज सिंह लोनिया

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा

निःसंतानता अब अभिशाप नहीं, पाएँ मातृत्व का सुख !

फ्री परामर्श

संपर्क - 9636247286, 9928747286

सभी प्रकार की जांच और दवाइयों पर 20 प्रतिशत की छूट

चौमूं का इतिहास

गतांक से आगे.....

भाग 13

इस विषय में अधिकांश विचारक यह भी कहते हैं कि एक दिन बेणीदासजी ने उपरोक्त जंगल में एक कैर के पेड़ के नीचे ब्याही हुई भेड को देखा जिसके साथ जाए हुए बच्चे बैठे हुए थे और वह ल्याली या भेड़िए आदि हिंसक जानवरों से उनकी रक्षा कर रही थी। कहा जाता है कि हिंसक जानवरों ने उसे रात भर परेशान किया था और अंत में वह हार कर चले गए थे। यह देखकर बेणीदासजी ने विचार किया कि यह भूभाग अवश्य ही अजय है और इसमें आबाद हुई बस्ती अथवा गढ़, किले अवश्य ही अच्छी हालत में रह सकते हैं।

प्रिंस कुमार उप्पल (मुद्राशास्त्री) निदेशालय,पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग-जयपुर

यह सोचकर उन्होंने करण सिंह के हाथ से उसी भूभाग में चौमूं धाराधार गढ़ की नींव लगवाई और चौमूं बसाने का काम आरंभ किया । बीकानेर के इतिहास में लिखा है कि भारत में कई किले इसी प्रकार गाय, भेड़ या बकरी आदि के विजयी होने की बात को विचार कर बनाए गए हैं और वह चिरकाल तक निरापद रहे हैं । चौमूहांगढ़ अथवा चौमूं शहर की रचना समय - समय में यथाक्रम हुई है और वह कई पीढ़ियां से पूर्ण हुई है।

आरंभ में करणसिंह ने केवल वर्तमान जनाने महलों की दक्षिणी पीठ में दोनों बुर्जों के बीच का हिस्सा बनवाया था और उसी के चारों और बहुत दूर में कांटो की बाढ़ का परकोटा बनवाया था । जिसके अंदर हम राही सरदारों के डेरे और फौज पलटनों, घोड़े आदि रहते थे। पीछे सुख सिंह, मोहन सिंह और कृष्ण सिंह आदि ने अपने-अपने राजत्व काल में यथाक्रम गढ़ को बढ़ाया और शहर को बसाया है। इस विषय में यह विदित हो जाना जरूरी है कि जिस कैर के पेड़ के नीचे भेड ब्यायी थी और उसके विजय को देखकर वही गढ़ बनवाया गया था।

शेष अगले अंक में

जिला कलेक्टर से मिला कचरा हटाओ, मोरीजा बचाओ संघर्ष समिति का शिष्टमंडल

जयपुर (हमारा वतन) जयपुर जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित और जेडीए आयुक्त व उपायुक्त को कचरा हटाओ, मोरीजा बचाओ संघर्ष समिति व ग्रामीणों के शिष्टमंडल ने मोरीजा में जेडीए के अधिकार क्षेत्र के खसरा नंबर 1942 में 2 बीघा भूमि का पट्टा चौमूं नगरपालिका को सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने के लिए दिए गए पट्टे को निरस्त करवाने के लिए ज्ञापन दिया ।

जिला कलेक्टर व JDA आयुक्त व उपायुक्त को उक्त प्लांट को निरस्त करवाने के लिए निवेदन किया और अवगत करवाया की उक्त FSTP प्लांट के पास में ही स्कूल का खेल मैदान, पुलिस फायरिंग रेंज, संस्कृत विद्यालय, आबादी क्षेत्र, ग्राम पंचायत भवन,पटवार भवन, कृषि पर्यवेक्षक कार्यालय, पहाड़ पर मां काली का मंदिर, गोगाजी का मंदिर, पाबूजी महाराज का मंदिर, हनुमान जी का मंदिर, हांडीदास बाबा का आश्रम, ग्राम की मुख्य आबादी एवं पास में ही टोडी बांध व मुख्य आबादी स्थित है।

जिस पर जिला कलेक्ट्रेट ने ग्राम हित में कार्य करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर समिति अध्यक्ष और सरपंच मंगल चन्द सैनी , प्रोफेशनल कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रुक्ष्मणी कुमारी, समिति कोषाध्यक्ष व उपसरपंच सुदर्शन शर्मा, अशोक कुमार मीणा पूर्व कृषि मंडी सदस्य, अनुपम आत्रेय, वार्ड पंच कन्हैया लाल सैनी, कमलेश संत, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि सुनील सैनी सहित ग्रामीण उपस्थित रहे ।

विराज फाउंडेशन ने आयोजित किया शिव पार्थिव महारुद्राभिषेक एवं महाआरती कार्यक्रम

जयपुर (हमारा वतन) विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में रॉयल पैलेस गार्डन, स्टेशन रोड, चौमूँ पर शिव पार्थिव महारुद्राभिषेक एवं महाआरती कार्यक्रम श्री श्री 108 गिरधारी दास जी महाराज (पान वाले बाबा) के सानिध्य में आचार्य पंडित रामस्वरूप शर्मा, उपाचार्य पंडित रेवती रमण प्रधान पं.जयप्रकाश शर्मा द्वारा विधि विधान से संपन्न करवाया गया ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदीप शर्मा, विशिष्ट अतिथि विप्र कल्याण बोर्ड उपाध्यक्ष मंजू शर्मा एवं अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी ने की । कार्यक्रम के मुख्य यजमान गोपाल शर्मा रहे। कार्यक्रम में 108 जोड़ों ने भाग लिया। प्रदेशाध्यक्ष तिवाडी व पदाधिकारियों से आए हुए आगंतुक संतों व अतिथियों का माल्यार्पण कर शॉल व अभिनंदन पत्र भेंट किया व सभी यजमानों को शिव परिवार की प्रतिमा भेंट की गई । इस दौरान समाजसेवी नरेंद्र वशिष्ठ ने बताया कि ऐसे कार्यक्रम समाज में होते रहने चाहिए। इससे समाज में आस्था एवं सद्भावना बनी रहती है ।

इस दौरान प्रदेश संरक्षक कृपा शंकर शर्मा, प्रदेश महासचिव बनवारी लाल शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल भारद्वाज, प्रदेश प्रचार प्रसार मंत्री चंद्र प्रकाश शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी अशोक आचार्य, प्रदेश प्रवक्ता विष्णु कुमावत, जिलाध्यक्ष मुकेश दीक्षित, जिलाध्यक्ष (व्यापार प्रकोष्ठ) नारायण शर्मा, महामंत्री रामलाल शेरावत नगर, अध्यक्ष डॉ सीताराम कुमावत, कार्यकारी सदस्य भवानी शंकर शर्मा, जयपुर शहर जिलाध्यक्ष ममता शर्मा आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

देवथला में बेटियों के लिए हुआ हाईटेक लाइब्रेरी का उद्घाटन

जयपुर (हमारा वतन) पंचायत समिति गोविंदगढ़ की ग्राम पंचायत देवथला में सरपंच कोयली देवी दुसाद के नेतृत्व में उद्घाटन समारोह और भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया । मुख्य अतिथि शाहपुरा विधायक आलोक बेनीवाल ने कहा कि व्यक्ति के द्वारा अर्जित की जाने वाली पूंजी का कुछ अंश समाज और धर्म के लिए खर्च करना चाहिए । इससे उसके धन में वृद्धि होती है । समारोह में पूर्व जिला पार्षद हनुमान सहाय दुसाद की प्रेरणा से स्व. शिप्रा गर्ग सौगना की स्मृति में सौगना परिवार द्वारा बेटियों के लिए बनवाई गई हाईटेक निःशुल्क लाइब्रेरी का अतिथियों द्वारा फीता काटकर शुभारंभ किया गया । कार्यक्रम में 55 से अधिक भामाशाहों व कृषि विभाग, चिकित्सा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्व विभाग सहित करीब एक दर्जन विभागों के कार्मिकों को साफा व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया । इस दौरान खाद्य भंडार का उद्घाटन, एमएलए लेड की सड़कों का उद्घाटन, राधा कृष्ण मंदिर के भव्य द्वार का उद्घाटन, सामुदायिक भवन का उद्घाटन, सोगना परिवार द्वारा स्कूलों में पानी की टंकी, शौचालय, चारदीवारी का निर्माण का उद्घाटन, साथ ही फर्नीचर, स्कूल ड्रेस वितरण किया गया । कार्यक्रम में गोविंदगढ़ डिप्टी राजेश ढाका, पार्षद महेंद्र चौधरी, निवाना सरपंच राजू देवी कुमावत ,पंचायत समिति सदस्य हरफूल कुमावत, आर के कुमावत, रामस्वरूप यादव सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण लोग मौजूद रहे ।

ठेकेदारों की पार्टी बन चुकी है आम आदमी पार्टी : गौतम गंभीर

नई दिल्ली(एजेंसी) । गौतम गंभीर ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा है कि आम आदमी पार्टी अब ठेकेदारों की पार्टी बन चुकी है। केजरीवाल सरकार की आबकारी नीति को लेकर उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना द्वारा सीबीआई जांच की सिफारिश करने के बाद एक बार फिर से भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच आरोप प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कांफ्रेंस कर भाजपा पर मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी के विधायकों एवं मंत्रियों को टारगेट करने का आरोप लगाया। इस पूरे मामले पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए पूर्वी दिल्ली से भाजपा के लोक सभा सांसद और पूर्व अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर गौतम गंभीर ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी अब ठेकेदारों की पार्टी बन चुकी है।

सावन की बौछार

सिद्धार्थ गोरखपुरी

सावन की बौछार यार
तन - मन को भिगाती है
मस्त फुहारें इस सावन की
याद किसी की दिलाती है

सावन के झूले अब तो
हर ओर निहारा करतें हैं
कोई तो आकर के झूले
रोज पुकारा करते हैं
पेड़ की डाली भी खुद से
अब ऊपर नीचे आती है
मस्त फुहारें इस सावन की
याद किसी की दिलाती है

कजरी वाले गीत गुम हुए
कोयल भी बेजुबान हुई
अबके सावन की बारिश भी
बस कुछ दिन की मेहमान हुई
आया करो प्रीत बरसाने
धरती सावन को सिखाती है
मस्त फुहारें इस सावन की
याद किसी की दिलाती है

त्यौहार नहीं त्यौहार के जैसे
अब सावन में लगते हैं
मौसम की है दोमुही मार
बस बादल रोज गरजते हैं
प्रकृति भी अब तो धरा पर
प्रीत को कम बरसाती है

छूट गये सब कुछ नाते

विनोद शर्मा वेणु बिहार

एक पेड़ से पत्ते गिर कर करने
लग गये बातें
अब क्या होगा तेरा मेरा छूट
गये सब नाते
छिन गयी डाली बिखरे तिनके
पसर गये सन्नाटे
टूटे इसका दर्द नहीं पर हुए
रिश्तों के घाटे
अब क्या होगा तेरा मेरा छूट
गये सब नाते
सुनो जरा क्या दिन थे वो
और कितनी अच्छी रातें
आज मुझे सब याद आती है
उस शाखी की बातें
कहती थी वो खेल जगत में
धरती की सौगातें
टूट गिरो या गिरकर टूटो याद रहेंगी बातें
भला भले की जड़ है प्यारे
ऐसी उस की बातें
अब क्या होगा तेरा मेरा
छूट गये सब नाते
पंछी उड़ता आसमान में
करता नभ की बातें
सांझ ढले फिर यही आसरा
कैसे नभ से नाते
कितने आये कितने गये
और कितनों को है जाना
और दिखावा दुनिया का ये
झूठे रिश्ते नाते
एक पेड़ से पत्ते गिरकर
करने लग गये बातें
अब क्या होगा तेरा मेरा
छूट गये सब नाते

ब्रोंज मेडल विजेता निशा कंवर का हुआ श्री शिरडी साई मंदिर में सम्मान

जयपुर (हमारा वतन) ब्रोंज मेडल विजेता निशा कंवर के जर्मनी से अपने घर वापस लौटते समय ईटावा भोपजी स्थित श्री शिरडी साई मंदिर में महंत कैप्टन पृथ्वी सिंह नाथावत के सानिध्य में निशा कंवर का माला, साफा व साईं राम का दुपट्टा पहनाकर और एक्सीलेंस अवार्ड देकर सम्मान किया। साथ ही निशा के माता पिता का भी माला और साफा पहनाकर सम्मान किया गया । निशा कंवर ने मां शक्ति संज्या कंवर सती माता के दर्शन कर आशीर्वाद लिया । जानकारी के लिए आपको बता दें कि रींगस कस्बे के ग्राम महरौली की निशा कंवर ने जर्मनी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय शूटिंग वर्ल्ड कप में ब्रोंज मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया है । जर्मनी के मुनिच में वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट्स कप का आयोजन हुआ जिसमें निशा ने 10 मीटर पिस्टल के एकल गेम में ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया । निशा कंवर 206 का स्कोर प्राप्त करके तीसरे स्थान पर रही । इस दौरान जितेंद्र सिंह शेखावत, राजेंद्र सिंह शेखावत, कंचन कंवर भाटी, युवराज सिंह, रामेश्वर बिराणिया, कालूराम भिंडा, सुप्यार कंवर, तनू कंवर, तिलक वशिष्ठ, कानाराम सेन, सूरदास जी महाराज, भूपेंद्र सिंह, रविंद्र सिंह, नवदीप सिंह, राजू बुनकर, अंजली नाथावत, आयुषी, अनुष्का आदि लोग मौजूद रहे ।

जॉब्स

1. स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (SSC) दिल्ली पुलिस, पद हेड कांस्टेबल AWO/TPO, पद संख्या 857, अंतिम तिथि 29 जुलाई 2022
2. स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (SSC) दिल्ली पुलिस, पद कांस्टेबल ड्राइवर, पद संख्या 1411, अंतिम तिथि 29 जुलाई 2022
3. राजस्थान पब्लिक सर्विस कमिशन (RPSC), पद सीनियर फिजिकल एजुकेशन टीचर, पद संख्या 461, अंतिम तिथि 13 अगस्त 2022
4. राजस्थान पब्लिक सर्विस कमिशन (RPSC), पद प्रोटेक्शन ऑफिसर, पद संख्या 4, अंतिम तिथि 9 अगस्त 2022
5. आइटीबीपी, पद सब इंस्पेक्टर ओवरसीर, पद संख्या 37, अंतिम तिथि 14 अगस्त 2022
6. इंडियन आर्मी, पद अग्निवीर, पद संख्या घोषित नहीं, अंतिम तिथि 3 अगस्त 2022
7. स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (एसएससी), पद जूनियर हिंदी ट्रांसलेटर, पद संख्या घोषित नहीं, अंतिम तिथि 4 अगस्त 2022
8. उत्तर प्रदेश एनएचएम, पद सी एच ओ, पद संख्या 5000, अंतिम तिथि 9 अगस्त 2022

भाभी जी घर पर हैं सौम्या टंडन को शो छोड़ने का नहीं है अफसोस, अब अनीता भाभी बोलीं- बहुत थकाऊ था

सौम्या टंडन ने भाभी जी घर पर हैं! सीरियल में साढ़े पांच साल काम किया था। उन्हें अनीता भाभी के किरदार में काफी पसंद किया गया था। अब उन्होंने बताया कि लोगों ने उन्हें शो छोड़ने पर चेतावनी दी थी।

भाभी जी घर पर हैं! टीवी सीरियल से घर-घर में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस सौम्या टंजन एक बार फिर चर्चा में हैं। उन्होंने साल 2020 में ये फेमस शो छोड़ने का फैसला लिया था और उनके इस फैसले से सभी शॉक्ड रह गए थे, क्योंकि उन्हें अनीता विभूति नारायण शर्मा के किरदार में बेहद पसंद किया जाता है। उन्होंने शो में साढ़े पांच साल काम किया था। अब उन्होंने अपने फैसले के बारे में बात की और कहा है कि उन्हें जरा भी अफसोस या पछतावा नहीं है। वो कुछ नहीं करना चाहती हैं।सौम्या टंडन ने अपनी मेहनत के दम पर टीवी और फिल्मों की दुनिया में एक मुकाम हासिल किया है। वो करीब 15 सालों से शोबिज में हैं और इम्तियाज अली के डायरेक्शन में बनी मूवी जब वी मेट में अहम भूमिका निभाई है। अब उन्होंने खुलासा किया है कि कैसे लोगों ने उन्हें फेमस टीवी सीरियल छोड़ने पर चेतावनी दी थी।

बहुत थका देने वाला था शो-सौम्या टंडन ने हमारे सहयोगी से बात करते हुए कहा, इस इंडस्ट्री में 15-16 साल काम करने के बाद मैंने लॉन्ग फॉर्मेट में काम किया है। बैक-टू-बैक शो किए हैं और इसमें पिस भी चुकी हूं। अब हर दिन पर्दे पर नजर आने की तमन्ना नहीं है, लेकिन अपने आप को ऊपर उठाने की तमन्ना है। मैं अभी इस दौर को काफी पसंद कर रही हूं, क्योंकि करीब साढ़े पांच साल मैं भाभी जी... के साथ थी और कुछ भी करने का बिल्कुल समय नहीं था। ये बहुत थका देने वाला था। फिर कोरोना महामारी आई और मैंने अपनी हेल्थ पर फोकस करने का फैसला किया और मैंने ट्रैवल किया।

शो को मिस नहीं करतीं सौम्या-सौम्या टंडन ने खुलासा किया कि वो अभी भी भाभी जी घर पर है! सीरियल की कास्ट के कॉन्टैक्ट में हैं। हालांकि, वो शो बिल्कुल भी मिस नहीं करती हैं। उन्होंने कहा, मैं इस शो को मिस नहीं करती।

'हम एक कमरे में रहे तो धारदार चीजें छिपानी पड़ेंगी' नागा चैतन्य संग रिश्ते पर बोलीं सामंथा रुथ प्रभु

करण जौहर ने अपने शो कॉफी विद करण 7 के लेटेस्ट एपिसोड में सामंथा रुथ प्रभु और अक्षय कुमार का स्वागत किया। करण ने सामंथा से उनके पूर्व पति नागा चैतन्य को लेकर सवाल पूछा जिसका अभिनेत्री ने जवाब दिया।

करण जौहर ने अपने शो कॉफी विद करण 7 के लेटेस्ट एपिसोड में सामंथा रुथ प्रभु और अक्षय कुमार का स्वागत किया। इस एपिसोड के प्रोमो पहले ही वायरल हो चुके हैं। करण ने सामंथा से उनके पूर्व पति नागा चैतन्य को लेकर सवाल पूछा। अभिनेत्री ने बताया कि उनके रिश्ते काफी खराब हो चुके थे। ऐसी स्थिति नहीं थी कि वो आपसी सहमति से एक साथ रह सकें। बीते साल ही सामंथा और नागा अलग हुए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी थी जिसके बाद सामंथा को ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा था।

इस वजह से पोस्ट किया था शेयर-ट्रोलिंग को लेकर सामंथा ने कहा कि उन्होंने अपनी जिंदगी के उस फैसले को फैन्स के साथ शेयर करने का फैसला किया था। जब उन्हें सोशल मीडिया पर निशाना बनाया गया तो वह इसकी शिकायत नहीं कर सकतीं। वह आगे कहती हैं, मैं असल में इसके बारे में शिकायत नहीं कर सकती क्योंकि मैंने वह रास्ता चुना था। मैंने ट्रांसपेरेंट होना चुना और मैंने अपनी जिंदगी के बारे में बहुत कुछ खुलासा किया। जब हम अलग हुए तो मैं इसके बारे में बहुत परेशान नहीं हो सकती थी। फैन्स लंबे समय से मेरी जिंदगी से जुड़े हुए थे और उन्हें जवाब देना मेरी जिम्मेदारी थी। उनकी अभी की जिंदगी के बारे में सवाल पूछे जाने पर सामंथा ने बताया, यह कठिन है लेकिन अब ठीक है। मैं पहले से यादा मजबूत हुई हूं। करण आगे पूछते हैं, क्या उनके बीच कोई कड़वाहट है। सामंथा ने कहा, यह ऐसी स्थिति है कि अगर आप हमें एक कमरे में बंद कर दें तो आपको धारदार चीजें छुपानी पड़ेंगी। हां अभी ऐसा ही है। एक्ट्रेस ने आगे जोड़ा कि अभी स्थिति ऐसी नहीं है कि आम सहमति बन सके लेकिन भविष्य में हो सकता है।

अलाया एफ ने ब्लैक कटआउट थाई-हाई स्लिट ड्रेस में बढ़ाया इंटरनेट का पारा

अलाया एफ सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और वो आज इंटरनेट पर किसी सेंसेशन से कम नहीं हैं। हाल ही में अलाया एफ ने ब्लैक कट-आउट ड्रेस में अपनी कई तस्वीरें फैन्स के साथ साझा कीं, जिनमें वो बला की हसीन नजर आ रहीं थीं। अलाया एफ की इस ड्रेस में कमर के चारों ओर कट-आउट और थाई-हाई स्लिट है और कैमरे के लिए बोल्ड पोज़ देते हुए उन्होंने अपनी टोंड लेग्स को फ्लॉन्ट किया। अलाया एफ वैलरी के लिए छोटे ब्लैक स्टड वाले झुमके और एक रिंग कैरी की और अपने लुक को सिंपल ही रहने दिया। मलाइका अरोड़ा का ये जिम लुक देख आहें भरते नजर आए फैन्स, देखें ड्रेस के अलावा, जिसने सबसे यादा लोगों का ध्यान खींचा वो थी अलाया की स्लीक हाई पोनीटेल ड्रेस के अलावा, जिसने सबसे यादा लोगों का ध्यान खींचा वो थी अलाया की स्लीक हाई पोनीटेल। अलाया एफ की ये आउटफिट क्लॉदिंग लाइन एएसटी द लेबल से है और इसे वेस्टवुड ड्रेस कहा जाता है। अलाया एफ का इंस्टाग्राम हॉट एंड ग्लैमरस फोटोज़ से भरा पड़ा है, जिन पर उनके चाहने वाले दिल खोलकर लाइक और कमेंटस कर रहे हैं।बताते चलें कि अलाया एफ आज सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकी हैं और जो भी फोटोज़ वो शेयर करती हैं वो आते ही वायरल हो जाती हैं।

बोन्स से लेकर बालों तक, आपके समग्र स्वास्थ्य के लिए जरूरी है प्रोटीन, इसकी कमी दे सकती है कई स्वास्थ्य जोखिम

प्रोटीन की कमी कई स्वास्थ्य जोखिमो का कारण बन सकती है। इसलिए अपने नियमित आहार में प्रोटीन युक्त सुपरफूड्स को शामिल करना न भूलें। शरीर के लिए प्रोटीन सर्वाधिक आवश्यक पोषक तत्वों में से एक है। यह सेल्स रिपेयर करने और ग्रो करने में मदद करता है। हर रोज डाइट में इसकी पर्याप्त मात्रा लेना शरीर के लिए बहुत जरूरी है। आपका डेली प्रोटीन इनटेक आपके वजन, जेंडर, एज और हेल्थ पर भी निर्भर करता है। शाकाहारी और मांसाहारी, प्रोटीन प्राप्त करने के कई स्रोत हैं। आप अपनी सुविधानुसार किसी का भी चयन कर सकती हैं। पर यह जरूरी है, वरना इसकी कमी आपको कई तरह के स्वास्थ्य जोखिम दे सकती है। आइए जानते हैं शरीर में प्रोटीन की कमी होने के कुछ नुकसान।शरीर में प्रोटीन की कमी आपकी सेहत पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। इसलिए अपने शरीर को ध्यान में रखते हुए खुद को एक उचित मात्रा में प्रोटीन देने का प्रयास करें।

पहले जानिए क्यों जरुरी है प्रोटीन

1. बोन हेल्थ के लिए अत्यावश्यक-नेशनल लाइब्रेरी ऑफ़ मेडिसिन द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार एनिमल बेस्ड प्रोटीन और प्लांट बेस्ड प्रोटीन दोनों ही बोन हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होते हैं। जो लोग पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन लेते हैं, उम्र के साथ उनकी हड्डियों की मजबूती बनी रहती है। साथ ही हड्डियों से जुड़ी समस्या और फ्रैक्चर होने की संभावना भी बहुत कम होती है।

2. मसल्स को मजबूती देता है-प्रोटीन मसल्स के लिए बिल्डिंग ब्लॉक की तरह काम करता है। पब मेड सेंट्रल द्वारा की गई रिसर्च और कई अन्य अध्ययनों में देखा गया है कि पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन लेने से मांसपेशियों की मजबूती बनी रहती है। इसके साथ ही जिम जाने वाले सभी व्यक्ति मसल्स गेन करने के लिए प्रोटीन युक्त सुपरफूड्स का सेवन करते हैं।यदि आप मसल्स गेन करने के लिए शारीरिक रूप से कड़ी मेहनत कर रही हैं, तो अपनी डाइट में प्रोटीन को शामिल करना न भूलें। पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन का सेवन वेट लॉस के दौरान एक्स्ट्रा मसल्स लूज होने से रोकता है।

3. भूख को कंट्रोल करता है-पब मेड सेंट्रल द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार प्रोटीन युक्त सुपरफूड्स का हल्का सेवन भी आपको लंबे समय तक फुलफिल रखता है। प्रोटीन हंगर हार्मोन घ्रेलिन के स्तर को कम कर देता है। जिस वजह से बार बार भूख नहीं लगती और आप ओवरईटिंग भी नही करती हैं। यदि आप अपना बेली फैट रिड्यूस करने के बारे में सोच रही हैं, तो कार्ब और फैट की जगह प्रोटीन का सेवन करें।

4. ब्लड प्रेशर को संतुलित रखे-हाई ब्लड प्रेशर हार्ट अटैक और किडनी से जुड़ी समस्याओं का कारण बन सकता है। वहीं खाने में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन का सेवन ब्लड प्रेशर को संतुलित रखता है। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉरमेशन द्वारा इस विषय पर एक शोध किया गया।

इन एंटी एजिंग एक्सरसाइज़ के साथ चेहरे की झुर्रियों और फाइन लाइंस को कहें बाय-बाय

चेहरे को जवां और सुंदर बनाए रखने के लिए महंगे प्रोडक्ट्स की नहीं, बल्कि सही देखभाल की जरूरत है। और इनमें फेस एक्सरसाइज भी शामिल हैं।हम अपने शरीर को व्यायाम कराने के लिए जिम ले जाते हैं, लेकिन हम अपने चेहरे के लिए ऐसा कुछ भी नहीं करते, आखिर क्यूं? चेहरे की मांसपेशियों की एक्सरसाइज करना उतना ही जरूरी है जितना कि शरीर की एक्सरसाइज करना। नहीं तो बढ़ती उम्र के साथ आपके चेहरे पर भी बुढ़ापा नज़र आने लगता है। ऐसे में कई महिलाएं अपनी झुर्रियों और फ़ाइन लाइंस को कम दिखाने के लिए बोटॉक्स जैसे ट्रीटमेंट का सहारा लेती हैं। मगर इन प्रक्रियाओं के कई साइड एफेक्ट्स भी हैं।इसलिए ज़रूरी है कि आप 30 की उम्र के बाद ही अपने चेहरे के लिए सजग हो जाएं और एंटी एजिंग फेशियल एक्सरसाइज़ अपनाएं। क्योंकि चेहरे का व्यायाम करने के अपने फायदे हैं, यह आपको एक सॉफ्ट और यंग लुक देता है। यह चेहरे की मांसपेशियों पर काम करके आपके चेहरे को ढीला नहीं पड़ने देता है।

1 आंख मारना-आंखों के आसपास की मांसपेशियों को सिकोड़ने और उनका विस्तार करने के लिए यह एक मजेदार और आसान व्यायाम है। एक तरफ से पलकें झपकाएं और इसे एक सेकंड के लिए होल्ड करके छोड़ दें।

2 स्ट्रेच-दोनों हाथों पर अपनी तर्जनी और मध्यमा अंगुलियों के साथ एक वी बनाएं और अपनी तर्जनी को अपनी भौंहों के बाहरी कोनों के खिलाफ दबाएं, जबकि अपनी दोनों मध्यमा अंगुलियों को भीतरी कोनों पर रखें। भौंहों के कोने पर दबाव डालें। छत को देखें, और पलकों को ऊपर की ओर उठाएं, और फिर आराम करें।

लखनऊ में इंडिया-साउथ अफ्रीका के बीच पहला वनडे इकाना में 9 अक्टूबर को होगा मुकाबला, इंडियन टीम के लिए लकी है स्टेडियम

कानपुर। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे मुकाबले के एक मैच की मेजबानी लखनऊ करेगा। सीरीज का दूसरा मैच लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा। यह

मुकाबला 9 अक्टूबर को होगा। सीरीज का पहला वनडे रांची और तीसरा वनडे दिल्ली में होगा। देर रात को सीरीज की घोषणा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी BCCI ने की। लखनऊ का इकाना स्टेडियम टीम इंडिया के लिए अब तक लकी रहा है। यहां अब तक टीम इंडिया के तीन इंटरनेशनल मैच हुए हैं। पहला 18 से 22 जनवरी 1994 में भारत-श्रीलंका के बीच टेस्ट मैच खेला गया था। इंडिया को जीत मिली थी। इसके बाद 6 नवंबर 2018 में वेस्टइंडीज के साथ टी20 मैच हुआ था। टीम इंडिया जीती थी। 24 फरवरी 2020 को भारत और श्रीलंका के बीच टी20 मुकाबला खेला गया था। इंडियन टीम ने श्रीलंका को 62 रनों से हराया था।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के साथ मुकाबले-दक्षिण अफ्रीका के साथ इंडिया का ये मुकाबला टी20 वर्ल्ड कप से पहले हो रहा है। सीरीज में तीन टी20 मैच और तीन वनडे मैच होने हैं।

BCCI के मुताबिक, टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के साथ भी 3 टी-20 मुकाबले खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मोहाली, नागपुर, हैदराबाद, तिरुवनंतपुरम, गुवाहाटी और इंदौर में मैच खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप की तैयारियों में जुट जाएगी।

2018 और 2022 में इकाना कर चुका टी-20 मैच की मेजबानी-साल 2018 में इकाना में भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला गया था। इसके बाद 15 मार्च 2020 में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच वनडे मैच की मेजबानी इकाना स्टेडियम को सौंपी गई थी। मगर, कोरोना संक्रमण के कारण इस सीरीज को रद्द कर दिया गया था। BCCI इस समय लखनऊ के इकाना स्टेडियम को बड़े क्रिकेट सेंटर के रूप में देख रहा है। ऐसे में BCCI की सोच लखनऊ को एक प्रमुख क्रिकेट केंद्र के रूप में विकसित करने की है।

फरवरी 2022 में यहां श्रीलंका के खिलाफ भी एक टी-20 मैच की मेजबानी की गई थी। हालांकि, इस मैच में भी दर्शकों को मैदान के भीतर जाने की अनुमति नहीं मिली थी।

40 हजार दर्शकों एक साथ बैठ सकते हैं-इकाना क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन 2017 में हुआ था। यहां भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहले इंटरनेशनल मैच की मेजबानी 6 नवंबर 2018 को की गई थी। तब यहां टी-20 मैच खेला गया था। इसके साथ इकाना स्टेडियम इंटरनेशनल क्रिकेट मैच की मेजबानी करने वाला भारत का 52वां स्टेडियम बना था।

भारत से छिन सकता है हॉकी विश्व कप की मेजबानी, FIH ने जल्द से जल्द चुनाव कराने को कहा

नई दिल्ली। विश्व हॉकी की सर्वोच्च संस्था (एफआईएच) ने अगले साल होने वाले विश्व कप की भारत की मेजबानी बरकरार रखने लिए अदालत से नियुक्त प्रशासकों की समिति (सीओए) से नए संविधान को अपनाने और हॉकी इंडिया के चुनाव कराने के लिए समयसीमा तय करने को कहा। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने सीओए को पत्र लिखकर नए संविधान का मसौदा तैयार करने और चुनाव कराने को कहा। एफआईएच ने कहा कि इसमें और देरी से भुवनेश्वर और राउरकेला में अगले साल 13 से 29 जनवरी तक होने वाले विश्व कप की मेजबानी खतरे में पड़ सकती है।एफआईएच के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थियरी वील ने हॉकी इंडिया सीओए को भेजे गये पत्र में कहा, एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 की भारत की मेजबानी सुनिश्चित करने के लिए संविधान को अपनाने और साथ ही हॉकी इंडिया के कार्यकारी बोर्ड के चुनाव करवाने के संबंध में हम आपसे विस्तृत समयसीमा उपलब्ध कराने के लिये कहते हैं। वील ने इस पर भी चिंता जताई कि सीओए विश्व संस्था के 17 जुलाई को भेजे गये पत्र का जवाब नहीं दे रहे हैं जिसमें इन मसलों पर जवाब मांगा गया था।

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email-
hamarawatan65@gmail.com
9214996258, 7014468512

हमारा वतन साप्ताहिक
HamaraWATANWeekly संस्थापित 1965 ہمارا وطن ہفت روزہ
राष्ट्रीय विचारधारा की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति का प्रतीक

क्या ख़ाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

परिणाम से लें प्रेरणा

कुछ इंतजार के बाद केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने पहले 12वीं और फिर 10वीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए। महामारी के कम से कम तीन चरम दौर के बाद आए ये नतीजे बहुत आशा जगाते हैं। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को कामयाबी मिली है और इससे अन्य निचली कक्षाओं के विद्यार्थियों को भी बेहतर पढ़ाई व तैयारी के लिए प्रेरणा मिलेगी। कक्षा 12वीं उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थी 92.71 प्रतिशत, जबकि 10वीं पास करने वाले 94.40 प्रतिशत हैं। यह अच्छा है कि इस बार भी टॉपर घोषित नहीं किए गए हैं। टॉपर की सूची से समग्रता में लाभ कम और नुकसान ज्यादा होता है। किसी एक परीक्षा में नाकाम रहने वाले या कम अंक लाने वाले विद्यार्थियों की मनः स्थिति का ध्यान अवश्य रखा जाना चाहिए और यह काम सीबीएसई अच्छी तरह से करने लगा है। कोई भी परीक्षा परिणाम अंतिम नहीं होता। एकाधिक परीक्षाओं में नाकाम हुए विद्यार्थी भी आगे चलकर कामयाब हस्तियों में शुमार हुए हैं। कोई भी परीक्षा परिणाम एक प्रेरणा या पड़ाव है, ताकि ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों का प्रदर्शन अच्छा हो सके। कमियों से सीखा जा सके।कई बार 10वीं में कम अंक लाने वाले 12वीं में बहुत अंक लाते हैं और कई 12वीं में कम अंक लाने वाले कॉलेज में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन कर गुजरते हैं। महामारी से प्रभावित पढ़ाई के बावजूद सीबीएसई कक्षा 10 में 64,908 या 3.10 प्रतिशत विद्यार्थियों को 95 प्रतिशत या उससे ज्यादा अंक मिले हैं। कुल 2,36,993 या 11.32 प्रतिशत विद्यार्थियों को 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक मिलना भी बहुत उत्साहजनक है। खास बात यह है कि दक्षिण भारत के विद्यार्थी और खासकर त्रिवेंद्रम क्षेत्र के विद्यार्थियों का प्रदर्शन 10वीं और 12वीं, दोनों में बहुत शानदार रहा है। 10वीं में दिल्ली क्षेत्र के परिणाम निराश करते हैं, इस क्षेत्र में सफलता प्रतिशत 87 भी नहीं है, जबकि 96 प्रतिशत से ज्यादा के साथ नोएडा, 94 प्रतिशत से ज्यादा परिणाम के साथ प्रयागराज क्षेत्र की कामयाबी प्रशंसनीय है। राष्ट्रीय राजधानी में परीक्षा परिणाम सुधारने के लिए हरसंभव प्रयास करने पड़ेंगे। बच्चों को केवल सुविधा दे देने से अच्छे परिणाम नहीं मिलेंगे। पूर्वोत्तर क्षेत्र पर भी ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। अब परंपरा-सी हो गई है, लड़कियों का उत्तीर्णता प्रतिशत हमेशा ही ज्यादा रह रहा है। लड़कियां जिस हठ और विशिष्टता के साथ स्कूल पास कर रही हैं, उसी उत्साह के साथ उन्हें उच्च शिक्षा में भी झंडे गाड़ने चाहिए।

राम गोपाल सैनी

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन वीकली के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।

- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

चरण पादुका अभियान : डींगा पीपला में चरण पादुकाएं मुहैया करवाई

पाली (हमारा वतन) बाली के आदिवासी क्षेत्र में अभिभावक अपने बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने हेतु विद्यालय तो भेज रहे हैं, परंतु अपनी अभावग्रस्तता के कारण उन्हें हर जरूरी सामान नहीं दिला पाते हैं। ऐसे में कई बच्चे तो नंगे पांव विद्यालय जाने को मजबूर है। जब इसकी सूचना डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी द्वारा चलाये जा रहे चरण पादुका अभियान की कोर टीम को हुई तो बाड़मेर निवासी चिकित्सक डॉ. विकास चौधरी ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय डींगा पीपला, बाली (पाली) में नंगे पाँव विद्यालय जाने को मजबूर 45 बच्चों को चरण पादुकाएं मुहैया करवाई। चरण पादुका टीम के मनोज सुथार ने बताया कि ऐसे जरूरतमंद विद्यार्थियों की जैसे-जैसे सूचना मिलेगी, उसी अनुरूप आगे भी चरण पादुकाएँ मुहैया करवाई जाएगी। गौरतलब है कि डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के चरण पादुका अभियान से प्रेरित होकर अब तक लगभग तीन लाख से अधिक जरूरतमंद विद्यार्थियों को चरण पादुका उपलब्ध करवाई जा चुकी है। विद्यालय के शिक्षक कैलाश कुमार ने डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी, भामाशाह डॉ. विकास चौधरी, राजू माली,सुरेश गोयल व चरण पादुका टीम का आभार प्रकट किया।

आग लगने की घटना पर ईवी निर्माताओं को कारण बताओ नोटिस भेजा गया: गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने संसद को बताया है कि बैटरी की समस्या के कारण वाहनों में आग लगने के बाद सभी ईवी दोपहिया कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

इन्वेस्टमेंट राजस्थान समिट की तैयारियों को लेकर बैठक

समिट को सफल बनाने के लिए हर पहलू पर करें फोकस-मुख्य सचिव

जयपुर। उषा शर्मा ने कहा कि राज्य में प्रस्तावित 7 व 8 अक्टूबर 2022 को जेईसीसी में आयोजित होने वाले राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट 2022 को सफल बनाने के लिए सभी विभाग समन्वित प्रयासों से काम करें तथा आयोजन से संबंधित हर पहलू पर फोकस करें। शर्मा शुक्रवार को यहाँ शासन सचिवालय में इन्वेस्टमेंट समिट की तैयारियों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रही थी।

उन्होंने कहा कि राजस्थान राज्य देश में अपनी मेहमान नवाजी को लेकर पहचाना जाता है।

ऐसे में हम सब का प्रयास होना चाहिए कि सभी विभाग बेहतरीन समन्वय तथा मॉनीटरिंग के माध्यम से इस समिट की न केवल राष्ट्रीय बल्कि अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अब लगातार मुख्य सचिव स्तर पर समिट की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित होगी ऐसे में संबंधित विभाग मिशन मोड पर काम करें।

आस्था से जुड़े पीपल व वटवृक्ष के पौधों का करे रोपण : वृक्षमित्र डॉ. सोनी

देहरादून (हमारा वतन) पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी की पहल से सकलाना पट्टी के मरोड़ा व हटवाल गांव के नागराजा मंदिर परिसर में पंडित अनुसूया प्रसाद उनियाल व कुंदन लाल उनियाल ने विधि विधान से हवन व पूजा अर्चना कर देववृक्ष पीपल, वटवृक्ष के साथ अनार, बोटल ब्रास के पौधों का रोपण किया।

वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी ने कहा कि हमारे पूर्वज बहुत जानकार थे जो पौधे हमारे पीढ़ी के लिए उपयोगी थे उन्होंने ने उन पौधों को देवपूजन से जोड़कर उनका संरक्षण किया ताकि उन पौधों का दोहन ना हो सके, पीपल का पौधा ऑक्सीजन के दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण माना जाता हैं जिसे विज्ञान भी मान चुका है। हमारे समाज में बड़ पीपल के पौधों का रोपण उनके विवाह कर किया जाता है उसी परम्परा को मानते हुए हमने पीपल व वटवृक्ष के पौधों का रोपण किया है ताकि हमारा उत्तराखंड ऑक्सीजन भण्डार के रूप में हो सके। इस दौरान स्वराज सिंह पंवार, हुकम सिंह हटवाल, लखीराम बहुगुणा, धनसिंह नकोटी, दीप सिंह, अनिल हटवाल, दिनेश प्रसाद उनियाल, शीशराम, महावीर धनोला, प्यारसिंह रमोला, हीरा पंवार, बीरचंद कुमाई,ज्ञानसिंह, नीलम देवी, बीना देवी, सरिता रावत आदि मौजूद रहे।

हरियाली तीज का सावन में है विशेष महत्तव

सावन में हरियाली तीज का विशेष महत्व है और इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत करती हैं। वहीं कुंवारी कन्याएं अच्छे वर की कामना से इस दिन मां पार्वती का पूजन करती हैं। हरियाली तीज को कुछ क्षेत्रों में हरितालिका तीज के नाम से भी जाना जाता है। अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ने बताया कि यह त्योहार 31 जुलाई, रविवार के दिन पड़ रहा है। पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 6 बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा और 8 बजकर 33 मिनट तक रहेगा। वहीं प्रदोष पूजा सायंकाल में 6:33 बजे से रात 8:51 बजे तक की जा सकती है।

हिंदू धर्म में हरियाली तीज का त्योहार महिलाओं के लिए काफी खास होता है। इस त्योहार को लेकर कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। एक लोकप्रिय पौराणिक कथा के अनुसार भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए माता पार्वती ने घोर तप किया था और 107 जन्म लिए थे। कठोर तप के बाद 108वें जन्म में भगवान शिव ने उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। कहा जाता है कि तभी से इस त्योहार की शुरुआत हुई।

हरियाली तीज का त्योहार अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है। कई जगह सुहागिन महिलाएं अपनी पति की लंबी उम्र के लिए इस दिन व्रत करती हैं। वहीं कई क्षेत्रों में हरियाली तीज के दिन पकवान बनाएं जाते हैं। हरियाली तीज के दिन बेटी या बहन के घर सिंधारा भेजा जाता है जिसे कुछ इलाकों में सिंजारा भी कहा जाता है।सिंधारे में बेटी के कपड़े, श्रृंगार और कुछ मीठा होता है। इस दिन लड़कियां अपने मायके जाती हैं और उनके लिए विशेष प्रकार के पकवान आदि बनाएं जाते हैं। जो महिलाएं हरियाली तीज के दिन व्रत करती हैं वह दिन जल भी ग्रहण नहीं करतीं। व्रत खोलने के बाद ही कुछ खाती हैं।

Mohan Lal Jitarwal
Jaisingh Jitarwal
मोनिका प्रिन्टर्स
WE DESIGN , PRINT & PROMOTE...YOU ! थाना मोड़, चौमूँ
फ्लैक्स / विनायल | ऑफसेट प्रिन्टिंग | पोस्टर / पम्पलेट | बिल-बुक | लेटर हेड
शादी कार्ड | सवामणी कार्ड | स्क्रीन प्रिन्टिंग | विजिटिंग कार्ड | आई - कार्ड
हमारे यहाँ प्रिन्टिंग से सम्बन्धित सभी कार्य उचित रेट पर किये जाते है
तथा चुनाव से सम्बन्धित सामग्री उचित रेट पर तैयार की जाती है।
एक बार सेवा का मोका अवश्य दें
Contact Us: 9785850646, 8946910073, 7610022192
monikaprinters68@gmail.com

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
संरक्षक : बाबूलाल सैनी मो: 7296873757
सहायक सम्पादक: राकेश तिवाड़ी
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर शहर होगा